केन्द्रीय रेशम बोर्ड के राजभाषा अनुभाग की उपलब्धियाँ वर्ष 2019-20

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित वार्षिक कार्यक्रम में निहित लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रति केन्द्रीय रेशम बोर्ड समर्पित भावना से कार्य करता रहा है।
केन्द्रीय रेशम बोर्ड वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को न्यूनतम मानकर चलता है और प्रयास करता है कि पत्राचार, प्रशिक्षण एवं अन्य मदों में लक्षित उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हो।

पत्राचार

वर्ष 2019-20 में धारा 3(3) के अंतर्गत कुल 2092 कागजात जारी किए गए जो पूर्णतः द्विभाषी थे।
केन्द्रीय रेशम बोर्ड में कुल 4696 पत्र हिंदी में प्राप्त हुए हैं जिनमें से 1859 पत्र अभिलेखार्थ अथवा अनापेक्षित प्रकृति के थे। शेष 2837 पत्रों के उत्तर हिंदी में ही दिए गए।
हिंदी पत्राचार के लक्ष्य को प्रत्येक तिमाही में पूरा किया गया है । केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा वर्ष 2019-20 के दौरान भेजे गए पत्रों का विवरण निम्न हैः

भेजे गये पत्रों का ब्यौरा

क्र.सं	क्षेत्र	शीर्ष	जून 2019 को समाप्त तिमाही	सितंबर 2019 को समाप्त तिमाही	दिसंबर 2019 को समाप्त तिमाही	मार्च 2020 को समाप्त तिमाही	योग
1.	क क्षेत्र	हिंदी/द्विभाषी	47/2692	42/2967	44/2749	15/2547	148/10955
		अंग्रेजी	391	437	338	535	1701
		योग/हिंदी %	3130/87.51	3446/87.32	3131/89.20	3079/82.73	12804/86.69
	ख क्षेत्र	हिंदी/द्विभाषी	9/259	8/291	3/333	3/365	23/1248
		अंग्रेजी	61	42	45	63	211
		योग/हिंदी %	329/81.46	341/87.68	381/88.19	431/85.38	1482/85.68
	ग क्षेत्र	हिन्दी/द्विभाषी	199/3787	122/3747	82/4039	88/3527	491/15100
		अंग्रेजी	473	363	549	438	1823
		योग/हिंदी %	4459/89.39	4232/91.42	4670/88.24	4053/89.19	17414/89.56

प्रशिक्षण

- हिंदी प्रशिक्षण, केन्द्रीय रेशम बोर्ड के ध्यानाकर्षण का प्रमुख बिन्दु रहा है। सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आज समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान दिलवाया जा चुका है। कुल 5**1** अधिकारियों तथा 1**4**5 कर्मचारियों में से 4**0** अधिकारियों तथा 1**3**5 कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान है, जबकि 1**1** अधिकारी एवं 1**0** कर्मचारी हिंदी ज्ञान में प्रवीण हैं।
- हिंदी आशुलिपि एवं हिंदी टंकण के प्रशिक्षण पर भी ध्यान दिया गया है। सभी **16** टंककों को हिंदी का टंकण आता है तथा **09** आशुलिपिकों में से मात्र **01** आशुलिपिक को हिंदी आशुलिपि का प्रशिक्षण दिया जाना है।

पुरस्कार

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन वाले कार्यालयों को क्षेत्र वार पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 201**9-20** के दौरान सामाजिक दूरी बनाये रखने (कोविड-19 के चलते) के कारण संगठनों को पुरस्कृत नहीं किया जा सका । यद्यपि मूगा रेशमकीट बीज संगठन, गुवाहाटी तथा केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरु को पुरस्कार हेतु चयन किया गया था । नगर स्तर पर गठित समिति, बेंगलूरु द्वारा दिनांक 17-07-2019 को बोर्ड मुख्यालय बेंगलूरु को द्वितीय एवं केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरु को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राभाकास की बैठकें

- केन्द्रीय रेशम बोर्ड मुख्यालय, में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की नियमित बैठकें आयोजित की जाती है जिसमें बोर्ड मुख्यालय के साथ ही साथ प्रमुख संस्थानों को भी सदस्य बनाया गया है तथा वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से बैठकें चलायी जाती हैं। वर्ष 2019-20 के दौरान क्रमशः दिनांक 20.06.2019, 20.09.2019, 19.12.2019 तथा 26.03.2020 को बैठकें आयोजित की गई।
- बोर्ड मुख्यालय बेंगलूरु में प्रभावी राजभाषा कार्यान्वयन की दृष्टि से दिनांक 27**/06/2019,27.09.2019,26.12.2019** को आंतरिक राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें चलाईं गयीं।मार्च 2020 में बैठक प्रस्तावित थी,किन्तु कोविड-19 के चलते इसे आयोजित न किया जा सका ।
- केन्द्रीय रेशम बोर्ड के अधीन कार्यरत संगठनों में भी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

हिंदी कार्यशाला

हिंदी में प्रशिक्षित कर्मचारियों की झिझक दूर करने तथा यथासंभव कार्य हिंदी में करवाने की दृष्टि से प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशालाएं चलायी जाती हैं तथा बारी-बारी से अधिकारियों/कर्मचारियों को इन कार्यशालाओं में नामित किया जाता है। वर्ष 2019-20 के दौरान क्रमशः दिनांक 14.06.2019, 25.09.2019, 21.11.2019 तथा 27 .02.2020 को हिंदी कार्यशाला चलायी गई।

संगोष्ठी

हिंदी को व्यवस्था से जोड़ने तथा राजभाषा विभाग के दिनांक 15.02.2000 के का. ज्ञा.सं.14025/6/89-राभा.(घ) में दिए गए प्रावधान के अनुक्रम में 19 फरवरी, 2020 को रेशमकीट बीज उत्पादन केन्द्र, देहरादून में राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई। यह संगोष्ठी रेशमकीट बीज उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित थी।

निरीक्षण

- केन्द्रीय रेशम बोर्ड तथा इसके मुख्य संस्थानों के राजभाषा अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों के सहयोग से वर्ष 2019-20 के दौरान कुल 55 **(**176 में से**)** संबद्ध व अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। इसके साथ-ही-साथ बोर्ड के आंतरिक राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से सभी 22 अनुभागों के निरीक्षण किये गये ।

प्रकाशन

केन्द्रीय रेशम बोर्ड मुख्यालय बेंगलूरु द्वारा अर्द्धवार्षिक गृह पत्रिका "रेशम भारती" प्रकाशित की जाती है। इसके साथ ही साथ केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, केरेबो, राँची से रेशम वाणी, केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, मैसूरु से रेशम किरण तथा केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर से रेशम संवाद प्रकाशित किया जाता है। पत्रिकाओं के अलावा मुख्य संस्थानों से कृषकों की अपेक्षाओं के अनुसार हिंदी पुस्तिकाएँ एवं पैम्फ्लेट निकाले जाते हैं। बोर्ड मुख्यालय, बेंगलूरु द्वारा रेशम भारती के अंक जून 2019 का प्रकाशन किया गया ।

अनुवाद

केन्द्रीय रेशम बोर्ड में वार्षिक रिपोर्ट तथा प्रमाणित लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र के साथ प्रमाणित लेखा एवं लेखा-परीक्षा रिपोर्ट द्विभाषी रूप में निकाला जाता है। इसके अलावा रेशम उद्योग एवं रेशम उत्पादन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण दस्तावेजों का अनुवाद भी समय-समय पर प्रस्तुत किया जाता है। इसके कुछ उदाहरण "रेशम एवं रेशम उत्पादन पर पृष्ठभूमि टिप्पणी", स्थायी संसदीय समिति के विभिन्न मदों का शीर्षवार उत्तर, बोर्ड तथा स्थायी समिति संबंधी कागजात, योजनाओं तथा परियोजनाओं के अनुवाद आदि हैं। वर्ष 2019-20 में श्रम मैनुअल का हिन्दी रूपांतरण किया गया ।

केरेबो राजभाषा पुरस्कार

बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन की गति को तेज करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले कार्यालयों को पुरस्कृत किया जाता है। वर्ष 2019-20 में कोविड-19 के चलते व्यावहारिक परेशानी को देखते हुए पुस्कार वितरण समारोह आयोजित नहीं किया जा सका । भविष्य में उत्कृष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन के निष्पादन में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले संगठनों को राजभाषा शील्ड तथा प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतियोगिताएँ

हिंदी पखवाड़ा के दौरान बोर्ड मुख्यालय, बेंगलूरु ने कई प्रतियोगताएँ जैसे श्रुतलेख,शब्दावली, टिप्पण-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी वाचन, आशुभाषण,सुलेख तथा वर्ग पहेली चलाई गई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूरु के तत्वावधान में "टिप्पण आलेखन" प्रतियोगिता चलायी गई। केरेप्रौअसं, बेंगलूरु ने नगर स्तर पर आशुभाषण प्रतियोगिता चलाई।

अन्य राजभाषा कार्यक्रम

- केन्द्रीय रेशम बोर्ड के कर्मचारियों को लक्ष्य-सापेक्ष कार्य करने की दृष्टि से दिनांक **21.06.2019** को **"लक्ष्य"** कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में प्रत्येक क्षेत्र में लक्ष्य निर्धारण की अपेक्षा के साथ-ही-साथ कर्मनिष्ठ प्रयास की आवश्यकता व्यक्त की गई ।
- राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के उद्देश्य से **11.09.2019** को **"परिहार"** कार्यक्रम आयोजित किया गया ।
- विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर दिनांक **10.01.2020** को **"सिल्क रोड: मिथक एवं वास्तविकता"** विषय पर अखिल भारतीय केरेबो हिन्दी आलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

*****